>

Title: Shortage of power in Bihar.

**डॉ. भोला सिंह (नवादा):** सभापति जी, मैं आभार प्रकट करता हूँ कि आपने मुझे बोलने की इजाज़त दी। बिहार, जो डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के रूप में संविधान की आत्मा है, बिहार जो लोकनायक जयप्रकाश नारायण के रूप में जनतंत्र की आत्मा है, बिहार जो स्वर्गीय जगजीवन बाबू के रूप में सामाजिक न्याय की आत्मा है, वह बिहार एक सप्ताह से अंधकार में डूबा हुआ है।

सभापति महोदय, यह सदन सार्वभौम सदन है। इस सदन में जो इस देश की सबसे बड़ी अदालत है, बिहार को लेकर मैं उसमें उपस्थित हूँ कि एक सप्ताह से बिहार अंधकार में है। अस्पताल में रोगियों के इलाज नहीं हो रहे हैं। रेलगाड़ियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कई बार बिहार सरकार ने केन्द्र से कहा कि हमें थर्मल पावर स्टेशन चलाने के लिए खदान के साथ चिन्हित किया जाए ताकि बिहार विकास में जो छलांग मार रहा है, वह बिजली का उत्पादन कर सके।

सभापति महोदय, आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि स्वयं केन्द्र सरकार का जो एनटीपीसी है, वह भी बंद हो रहा है। हमें गंगा नदी के पानी का उपयोग नहीं करने दिया जा रहा है। बिहार प्रताड़ित है, जिसने अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है, जो राष्ट्र के विकास के साथ चल रहा है, आज वह अपनी विचारधारा एवं प्रतिबद्धता को लेकर प्रताड़ित हो रहा है।

* Not recorded.

---

सभापति महोदय, हम आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करते हैं कि बिहार एक्ट करता है, रिएक्ट नहीं करता है। आज जो बिहार प्रताड़ित है, उसे भूखों मारने के लिए सलीके तैयार किए जा रहे हैं। बिहार को गंगा नदी के पानी का उपयोग नहीं करने दिया जा रहा है। हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से कहना चाहते हैं कि वह प्रताड़ना बंद करे। बिहार ने राष्ट्रीय विकास में योगदान किया है। बिहार की जनता ने अपने राजस्व एवं कर से इस देश का सम्मान बढ़ाया है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि बिहार को प्रताड़ित होने से बचाएं और बिहार को गंगा नदी के जल का उपयोग करने के लिए कदम उठाए। बिहार को एक खदान, निश्चित रूप से बिहार के साथ कोयले का खदान जोड़े ताकि उस कोयले से थर्मल पावर स्टेशन चलाया जा सके, इस तरफ मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।